ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३४ | **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक- शुक्रवार, १८ मई, २०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.८ एवं २३.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७८ सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २५.७ एवं दोपहर में ३२.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में आँधी के साथ उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर वर्षा हुई। पूसा, समस्तीपुर में ४६.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड की गई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१९ से २३ मई,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १९ से २३ मई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते हैं, मध्यम बादल २१ मई के बाद देखें जा सकते हैं। २१-२२ मई तक मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण, मधुबनी जिलों में २१ मई के बाद कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान ३४ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ३५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- अगात खरीफ धान के बिचड़ों को बीजस्थली में गिराने का काम अब कर सकते है। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद अवश्य डाले। बीज गिराने से पहले २.० ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें। धान के बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- अगले दो-चार दिनों तक मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए रबी मक्का की कटनी करें। दानों को सुखाकर भण्डारित करें। खाली खेतों को मिट्टी पलटने वाले हल से ग्रीष्मकालीन जुताई कर खुला छोड़ दें।
- जून महीने में बुआई हेतु बरसाती प्याज के लिए बीजस्थली की तैयारी करें।
- किसान भाई हल्दी की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०x२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम इन्डोफिल ४५ + ०.१ प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- हरा चारा के लिए मक्का, ज्वार, बाजरा तथा लोबिया की बुआई करें। हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। अतः इस कीट की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते है अथवा डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा २ मि० ली० +१० ग्राम चीनी/गुड़ प्रति लीटर पानी की दर मिलाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें। इन सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई का कार्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.० कम	आज का न्यूनतम तापमानः २५.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य १.८ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी